सत्र –VI प्रश्नपत्र– XII

DSE-E131

उद्देश्य :

- उपन्यास के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
- उपन्यासकार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।
- रचना विशेष का महत्त्व समझने एवं मूल्याकंन करने की क्षमता बढाना।
- रचना के आस्वादन एवं समीक्षा की क्षमता विकसित कराना।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास की प्रासंगिकता से अवगत कराना।

पाठ्यपुस्तक –अंतिम साक्ष्य (उपन्यास)–चंद्रकांता

अमन प्रकाशन, 104 A/80 सी रामबाग, कानपुर– 12

इकाई 1. चंद्रकांता का जीवन परिचय, व्यक्तित्व, कृतित्व एवं उपन्यासकार चंद्रकांता का सामान्य परिचय ।

इकाई 2. 'अंतिम साक्ष्य'–कथावस्तु एवं शीर्षक की सार्थकता।

इकाई 3. 'अंतिम साक्ष्य'–पात्र एवं चरित्र –चित्रण तथा संवाद।

इकाई 4. 'अंतिम साक्ष्य'–देशकाल तथा वातावरण, भाषा शैली, उद्देश्य एवं समस्याएँ ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		अंक 40
प्रश्न 1	पूरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	'अंतिम साक्ष्य' पर ससंदर्भ प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	'अंतिम साक्ष्य' एवं चंद्रकांता पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 4	'अंतिम साक्ष्य' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10

संदर्भ ग्रंथ सूची –

- चद्राकांता का कथा साहित्य–समकालीन परिवेश तथा संदर्भ–डॉ.अमोल पालकर, विद्या प्रकाशन, कानपुर–208022
- चद्राकांता का कथा साहित्य–डॉ.जगदीश चव्हाण, विद्या प्रकाशन, कानपुर–208022